पाठ – 1 | कहानी का प्लॉट | लेखक: शिवपूजन सहाय | कक्षा 9 हिंदी | बिहार बोर्ड | (BSEB)

कहानी का प्लॉट – सारांश

लेखक: शिवपूजन सहाय
कक्षा 9 हिंदी (बिहार बोर्ड)

"कहानी का प्लॉट" एक रोचक और हास्यपूर्ण संस्मरण है, जिसमें लेखक शिवपूजन सहाय ने एक लेखक की मानसिक उलझनों और रचनात्मक संघर्षों को बड़े ही सरल और व्यंग्यात्मक अंदाज में प्रस्तुत किया है।

यह अध्याय हमें यह दिखाता है कि एक कहानी लिखने के लिए केवल कल्पना या विचार ही नहीं, बल्कि एक मजबूत और सुसंगठित प्लॉट (कथानक) की आवश्यकता होती है। लेखक खुद एक कहानी लिखने का प्रयास करते हैं, लेकिन उन्हें उपयुक्त प्लॉट नहीं मिल पाता। वह बार-बार शुरुआत करते हैं, मगर हर बार कहानी किसी न किसी कारण से अधूरी रह जाती है।

इस प्रक्रिया में वह अपने मित्रों से भी सलाह लेते हैं, लेकिन उनके सुझाव भी व्यर्थ साबित होते हैं। लेखक की यह उलझन पाठकों को हँसाते हुए यह संदेश देती है कि **लेखन एक गंभीर और मेहनत भरा कार्य है**, जिसमें विषय, पात्र, वातावरण और उद्देश्य – सभी का समुचित तालमेल आवश्यक होता है।

मुख्य बिंदु:

- कहानी लेखन में प्लॉट की अहम भूमिका को उजागर किया गया है।
- लेखक की असफल कोशिशें पाठकों को हास्य का अनुभव कराती हैं।
- लेखन के प्रति गंभीरता और सोच-विचार की आवश्यकता को बताया गया है।
- शैली व्यंग्यात्मक और संवादात्मक है, जो पाठकों को आकर्षित करती है।

कहानी का प्लॉट – प्रश्नोत्तर | कक्षा 9 हिंदी | बिहार बोर्ड

1. लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि "कहानी लिखने योग्य प्रतिभा भी मुझमें नहीं है", जबकि यह कहानी श्रेष्ठ कहानियों में एक है?

उत्तर: लेखक ने यह बात विनम्रता और व्यंग्य के रूप में कही है। वास्तव में, यह कहानी एक श्रेष्ठ हास्य रचना है। लेखक दिखाते हैं कि कहानी लिखने में कितनी कठिनाइयाँ आती हैं और कैसे प्लॉट बनाने में लेखक असमर्थ महसूस करता है। यह आत्म-व्यंग्य शैली का हिस्सा है।

2. लेखक ने 'भगजोगनी' नाम ही क्यों रखा?

उत्तर: 'भगजोगनी' नाम एक व्यंग्यात्मक और अनोखा नाम है, जो पाठकों का ध्यान आकर्षित करता है। यह नाम कहानी में हास्य का रंग भरता है और गाँव के परिवेश के अनुसार विचित्र पात्र को सूचित करता है।

3. मुंशीजी के बड़े भाई क्या थे?

उत्तर: मुंशीजी के बड़े भाई एक थानेदार थे और सरकारी नौकरी में थे।

4. दारोगाजी की तरक्की रुकने की क्या वजह थी?

उत्तर: दारोगाजी की तरक्की इसलिए रुक गई थी क्योंकि उन्होंने घूस नहीं ली और ईमानदारी से काम किया। इस कारण ऊपर के अधिकारियों को खुश नहीं कर पाए।

5. मुंशीजी अपने बड़े भाई से कैसे उक्रण हुए?

उत्तर: मुंशीजी ने अपने बड़े भाई के अंतिम समय में उनकी सेवा की और उनका अंतिम संस्कार किया। इसी से वह अपने कर्तव्य को निभाकर उनसे उक्रण हो गए।

6. 'थानेदार की कमाई और फूस का तापना दोनों बराबर हैं' - लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

उत्तर: लेखक इस कथन से यह बताना चाहते हैं कि थानेदार की कमाई अस्थायी और अनिश्चित होती है, जैसे फूस की आग जल्दी जलकर खत्म हो जाती है। यह कमाई स्थायी सुख नहीं देती।

7. 'मेरी लेखनी में इतना जोर नहीं' - लेखक ऐसा क्यों कहता है?

उत्तर: लेखक यह वाक्य आत्म-व्यंग्य के रूप में कहते हैं। वह दर्शाते हैं कि उनके पास कहानी लिखने का पर्याप्त कौशल नहीं है, जबकि वास्तव में उनकी लेखनी में गहरा प्रभाव और व्यंग्यात्मक ताकत है।

8. भगजोगनी का सौंदर्य क्यों नहीं खिल सका?

उत्तर: भगजोगनी का सौंदर्य इसलिए नहीं खिल सका क्योंकि उसकी शादी एक बूढ़े व्यक्ति से हो गई थी और उसे कभी प्रेम या सुख नहीं मिला। सामाजिक परिस्थितियों और जबरन विवाह ने उसके जीवन को कुंठित कर दिया।

9. मुंशीजी गल-फाँसी लगाकर क्यों मरना चाहते थे?

उत्तर: मुंशीजी जीवन से निराश हो गए थे। उनकी आर्थिक हालत खराब थी और उन्हें अपने जीवन में कोई उद्देश्य नहीं दिख रहा था। इसलिए वे आत्महत्या का विचार करने लगे।

10. भगजोगनी का दूसरा वर्तमान नवयुवक पति उसका ही सौतेला बेटा है – यह घटना समाज की किस बुराई की ओर संकेत करती है और क्यों?

उत्तर: यह घटना बाल विवाह और जबरन विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों की ओर इशारा करती है। समाज में लड़कियों की इच्छा के विरुद्ध विवाह और उम्र में भारी अंतर के कारण उनका जीवन दुखमय हो जाता है। इसका परिणाम समाजिक, नैतिक और पारिवारिक विघटन के रूप में सामने आता है।

11. इस कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर:

"कहानी का प्लॉट" लेखक शिवपूजन सहाय द्वारा लिखी गई एक हास्य-व्यंग्यात्मक रचना है। इसमें लेखक एक कहानी लिखने की कोशिश करता है, लेकिन उपयुक्त प्लॉट न मिलने से बार-बार असफल होता है। कहानी लिखने के प्रयास में वह एक पात्र 'भगजोगनी' को लेकर अनेक विचार बनाता है, पर हर बार कोई न कोई समस्या आ जाती है। इस संघर्ष में लेखक की हताशा और हास्य दोनों झलकते हैं। यह रचना यह सिखाती है कि लेखन एक गंभीर और सोच-समझकर किया जाने वाला कार्य है।

12. आशय स्पष्ट करें:

(क) 'जो जीभ एक दिन बटेरों का शोरबा सुड़कती थी, अब वह सराह सराहकर मटर का सत्तू सरपोटने लगी। चुपड़ी चपातियाँ चबानेवाले दाँत अब चंद चने चबाकर दिन गुजारने लगे।' आशय: इस कथन से लेखक दिखाते हैं कि अमीरी के दिनों में जो स्वादिष्ट भोजन मिला करता था, अब गरीबी में सामान्य और रूखा-सूखा खाना नसीब हो रहा है। यह समय के बदलाव और गरीबी की मार को दर्शाता है।

(ख) 'सचमुच अमीरी की कब्र पर पनपी हुई गरीबी बड़ी ही जहरीली होती है।'

आशय: जब कोई व्यक्ति पहले बहुत अमीर होता है और फिर गरीब हो जाता है, तो वह गरीबी उसे और अधिक कष्टदायक और अपमानजनक लगती है। यह कथन ऐसी स्थिति का गहरा और मार्मिक चित्रण करता है।

भाषा की बात – कहानी का प्लॉट (कक्षा 9 हिंदी | बिहार बोर्ड)

1. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट करें:

मुहावरा	वाक्य प्रयोग	अर्थ
बारूद की पुड़िया होना	वह लड़का तो बारूद की पुड़िया है, ज़रा सी बात में भड़क उठता है।	अत्यधिक गुस्सैल और उग्र स्वभाव वाला होना

मुहावरा	वाक्य प्रयोग	अर्थ
निबुआ नोन चटाना	गुरूजी ने नए छात्रों को निबुआ नोन चटा दिया।	कड़ा अनुशासन सिखाना
घी के दिए जलाना	बेटे की सफलता पर घर में घी के दिए जलाए गए।	बहुत खुशियाँ मनाना
सुबह का चिराग होना	वह बूढ़ा अब सुबह का चिराग है, ज्यादा दिन का नहीं।	अत्यंत वृद्ध और असमर्थ होना
पाँचों उँगलियाँ घी में होना	उसकी नौकरी लगते ही पाँचों उँगलियाँ घी में आ गईं।	पूरी तरह से सुख में होना
कोढ़ में खाज होना	पहले ही नुकसान हुआ था, अब चोरी भी हो गई - कोढ़ में खाज हो गया।	पहले से ही संकट हो और फिर नया संकट आ जाए
कलेजा काँपना	सुनते ही उसके मरने की खबर, मेरा कलेजा काँप गया।	अत्यधिक डर या दुःख होना
बाट जोहना	परीक्षा के रिजल्ट की बाट जोह रहा हूँ।	किसी का बेसब्री से इंतजार करना
दाँत दिखाना	वह बात-बात पर दाँत दिखाता रहता है।	व्यर्थ हँसी करना
छाती पर पत्थर रखना	माँ ने बेटे को विदा करते समय छाती पर पत्थर रख लिया।	भारी दुःख को सहना
टन बोल जाना	उसका जवाब सुनकर मेरे सिर में टन बोल गया।	अचानक आघात लगना
कलेजा टूक-टूक हो जाना	बच्चे की हालत देखकर माँ का कलेजा टूक-टूक हो गया।	अत्यधिक दुःख होना

2. मुहावरों का अर्थ वाक्य प्रयोग सहित:

मुहावरा	वाक्य प्रयोग	अर्थ
बुढ़ापे की लाठी	रामू अपने पिता की बुढ़ापे की लाठी है।	सहारा बनने वाला व्यक्ति
जितने मुँह उतनी बातें	उस घटना पर जितने मुँह उतनी बातें हो रही थीं।	हर कोई अपनी अलग राय दे रहा हो

3. विलोम शब्द लिखें:

शब्द	विलोम
साधारण	असाधारण
अमीरी	गरीबी
कृत्रिम	प्राकृतिक
सुंदर	कुरूप
कर्कश	मधुर
संतोष	असंतोष

4. पर्यायवाची शब्द लिखें :

शब्द	पर्याय
घोड़ा	अश्व, हय, तुरंग
चिड़िया	खग, पक्षी, विहंग
घर	भवन, गृह, निवास
फूल	पुष्प, सुमन, कुसुम
तीर	बाण, शर

5. वचन बदलें :

शब्द	एकवचन	बहुवचन
भाषा	भाषा	भाषाएँ
इमारत	इमारत	इमारतें